

सर्पगंधा स्त्री. (तत्.) 1. नाग-दमन 2. गंध नाकुली 3. नकुल कंद 4. सर्पतृण, एक क्षुपजातीय औषधीय पौधा जो कफनाशक, उन्मादनाशक और उच्च रक्त चाप में उपयोगी है।

सर्पगति वि. (तत्.) 1. वक्रगति, साँप की तरह टेढ़ी मेढ़ी चाल चलने वाला 2. कुटिल प्रकृति का।

सर्पगृह पुं. (तत्.) साँप का बिल, साँप के रहने का स्थान।

सर्पछत्र पुं. (तत्.) कुकुरमुत्ता, खुम्बी, छत्राक, जिसका उपयोग सब्जी के रूप में भी किया जाता है।

सर्पण पुं. (तत्.) 1. रेंगना, पेट के बल आगे खिसकना 2. धीरे-धीरे चलना 3. टेढ़ा चलना 4. छोड़े गए तीर का जमीन के ऊपर रहकर चलना।

सर्प-तृण पुं. (तत्.) नकुलकंद।

सर्प निर्मोचन पुं. (तत्.) साँप की केंचुली।

सर्प नेत्रा स्त्री. (तत्.) 1. सर्पाक्षी, साँप की जैसी आंखों वाली 2. गंध-नाकुली।

सर्पदंती स्त्री. (तत्.) नागदंती, हाथी शूंडी।

सर्पदंष्ट्र पुं. (तत्.) 1. साँप का दांत, विशेषकर साँप का विषदंत 2. साँप के काटने से बना विषदंत का घाव 3. जमाल गोटा 4. दंती।

सर्पपति पुं. (तत्.) साँपों का राजा, शेषनाग।

सर्पपुष्पी स्त्री. (तत्.) 1. नागदंती 2. बांझ ककोड़ा (औषधीय क्षुप)।

सर्पफण पुं. (तत्.) अफीम, अहिफेन।

सर्पबंध पुं. (तत्.) 1. कुटिल या पेचीली गति, रेखा आदि 2. कपट चाल।

सर्पबेलि स्त्री. (तत्.) नागवल्ली, पान की बेल।

सर्पभक्षक पुं. (तत्.) 1. नकुलकंद, नाकुली कंद 2. मोर, मयूर 3. नेवला 4. गरुड़ 5. साँपों को खाने वाला।

सर्पभुक पुं. (तत्.) सर्प भक्षक, साँप का भक्षण करने वाला।

सर्पमणि स्त्री. (तत्.) सर्प के फन से प्राप्त होने वाली मणि।

सर्पमीन स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की समुद्री मछली जो साँप की तरह लंबी होती है और उसके डैने या पंख नहीं होते।

सर्पयज्ञ पुं. (तत्.) जनमेजय का वह प्रसिद्ध यज्ञ जो उन्होंने नागों के सर्वनाश के लिए किया था, नाग यज्ञ। सर्पयाग।

सर्पयाग पुं. (तत्.) सर्प यज्ञ।

सर्पराज पुं. (तत्.) साँपों में श्रेष्ठ, साँपों का राजा, शेषनाग, वासुकी।

सर्पलता स्त्री. (तत्.) नागवल्ली, पान की बेल, सर्पबेलि।

सर्पवल्ली स्त्री. (तत्.) नागवल्ली, पान की बेल।

सर्पविद्या स्त्री. (तत्.) 1. साँपों की प्रजातियों, उनके स्वभाव, जीवनचक्र आदि के बारे में अध्ययन करने वाला विज्ञान 2. साँपों के पकड़ने और उनको वश में करने, उनका विष उतारने की विद्या 3. सर्प विज्ञान।

सर्प विवर स्त्री. (तत्.) साँप का बिल, सर्पगृह।

सर्पव्यूह पुं. (तत्.) प्राचीन काल में एक प्रकार की सैनिक व्यूह रचना जिसमें सैनिकों की तैनाती सर्प के आकार में की जाती थी।

सर्प शीर्ष पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार की ईंट जो यज्ञ की वेदी बनाने के काम में आती थी 2. तांत्रिक पूजन में पंजे और हाथ की एक मुद्रा 3. एक प्रकार की मछली जिसका सिर साँप की तरह होता है।

सर्प-सत्र पुं. (तत्.) सर्प-यज्ञ।

सर्प सत्री पुं. (तत्.) सर्प-सत्र आयोजित करने वाला अर्थात् नाग यज्ञ का आयोजन करने वाले राजा जनमेजय।

सर्पहा वि. (तत्.) सर्प को मारने वाला, नेवला, मयूर।